बिहार में पर्यटक केन्द्रों का विकास

1617. **श्री राम अवधेश सिंह :** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछली पंचवर्षीय योजना के दौरान सरकार ने पर्यटन केंद्रों के विकास पर कुल कितनी धनराशि खर्च की और इसमें से तीर्थ-स्थलों के विकास पर कितनी धनराशि व्यय की गई ;

(ख) क्या यह सच है कि यदि एतिहासिक महत्व की जगहों, जैसे राजगीर, नालन्दा, गया, पार्श्वनाथ, रोहतासगढ़, जगदीशपुर, वैशाली आदि का विकास किया जाए तथा पर्यटकों के लिए ठहरने एवं उनके परिवहन की व्यवस्था सुलभ की जाए तो भारी मात्रा में पर्यटक इन स्थानों पर आयेंगे और उनसे बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा भी प्राप्त होगी ; और

(ग) क्या सरकार अगले तीन वर्षों के दौरान बिहार में पर्यटक केंद्रों का विकास करने के लिए विशेष कदम उठाने का विचार रखती है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : (क) सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान बिहार राज्य में पर्यटक आधारिक संरचना के विकास के लिए केंद्रीय सहायता के रूप में 36.93 लाख रुपए की राशि मंजूर की गई थी। जिसमें से 29.50 लाख रुपए की राशि तीर्थ-स्थलों के विकास के लिए मंजूर की गई थी ।

(ख) जी, हां ।

(ग) पर्यटन का विकास करना मुख्यत: संबंधित राज्य सरकारों की जिम्मेदारी केंद्रीय पर्यटन विभाग राज्य सरकारों को, है । पर्यटक आधारिक संरचना को सुदृढ़ करने के लिए, उनसे प्राप्त विशिष्ट प्रस्तावों के आधार पर धन की उपलब्धता, प्रस्तावों के गुण-दोष और पारस्परिक प्राथमिकताओं पर निर्भर करते हुए, केंद्रीय सहायता प्रदान करता है । 8वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान बिहार सरकार को सहायता जारी रखने का प्रस्ताव है ।

Delayed Remittance of Foreign Airlines

1618. SHRI AJIT P. K. JOGI:
KUMARI ALIA:

Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state;

(a) whether it is a fact that the remittances of foreign airlines have been delayed beyond reasonable time and if so, the reasons therefor;

(b) whether this would have a negative impact on the Visit India Year and Tourism in general; and

(c) what steps Government are taking in involving Foreign Airlines in building Tourism in India?

THE MINISTER OF CIVIL AVI ATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SCINDIA) (a) Foreign airlines were enjoying the facility of ad-hoc remittance of upto 99.5 per cent of surplus collections. But in view of several foreign exchange crunch, immediate remittance was restricted to 60 per cent in April 1991 and balance 50 per cent within 4 weeks. But with the easing of foreign exchange position the *status-quo* ante has been restored.

(b) and (c) Do not arise.

Construction of Yatri Nivas in Rajasthan

1619. SHRI SANTOSH BAGRODIA: Will the Minister of CIVIL AVI ATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether Government have plans to construct Yatri Nivas for tourists in Rajasthan;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) if not, how does Government plan to help poor tourists visiting the
State?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) to (c) Yes, Sir. A scheme for construction of Yatri Nivas at Ajmer in Rajasthan has been identified for Central financial assistance during 1991-92.

मध्य प्रदेश में पर्यटक स्थलों का निर्माण

1620. **श्री राघव जी :** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश के विदिशा रायसेन जिलों में विश्वप्रसिद्ध सांची स्तूप, उदयगिरि की गुफाओं, उदयपुर मंदिर, भोज मंदिर, भीम बेठका की गुफाओं की महत्ता को देखते हुए क्या केंद्रीय सरकार ने पिछले पांच वर्षों के दौरान इन स्थानों तक पर्यटकों को सुगमतापूर्वक पहुंचने तथा ठहरने की सुविधायें-उपलब्ध कराने के लिए कोई कदम उठाए हैं ;

(ख) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(ग) क्या केंद्रीय सरकार इन महत्वपूर्ण और सुन्दर स्थानों को पर्यटन के उद्देश्य से विकसित करने के लिए कदम उठाएगी ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री श्री माधवराव सिंधिया) : (क) से (ग) किसी भी स्थान पर पर्यटन आधारिक संरचनात्मक सुविधाओं की व्यवस्था और उनका विकास करने की मुख्य: जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है । तथापि, केंद्रीय पर्यटन विभाग, प्राप्त विशिष्टि परियोजनाओं/स्कीमों के लिए उनके गुणदोष, धन की उपलब्धता तथा पारस्परिक प्राथमिकताओं को ध्यान में रखकर वित्तीय सहायता प्रदान करता है । केंद्रीय पर्यटन विभाग ने सातवीं योजना अवधि तथा 1990-91 के दौरान क्रमश: सांची और भोजपुर में परियोजनाओं/स्कीमों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है ।

Indian Airlines booking office at Vijayawada

1621. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to refer to the reply to Starred Question 50 given in the Rajya Sabha on the 25th November, 1991 and to state the justification for Indian Airlines booking office at Vijaywada in issuing tickets only for such Vayudoot flights which are in conjunction travel on Indian Airlines services?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): As per the existing arrangements between Indian Airlines and Vayudoot, tickets issued by one airline are honoured by the other only when itinerary of the passenger involves flights on both the airlines. Indian Airlines has been advised to reconsider this arrangement with a view to issuing tickets for Vayudoot flights even where the itinerary does not involve travel by Indian Airlines, having regard to the fact that Vayudoot is an associate of Indian Airlines.

Development of Airports in the country

1622. SHRI JAGADISH JANI: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether Government have a proposal to develop some Airport during Eighth Plan period;

(b) if so, what are their names;

(c) whether Bhubaneshwar airport is one of them; and

(d) if so, the details in this regard and the amount earmarked therefor?